सांध्य दैनिक
4PM

बड़ी सावधानी और चतुराई से अपने कदम बढ़ाइये और याद रखिये की जीवन संतुलन बनाये रखने का एक महान काम है।

-डॉ. सिअस

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 208 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 7 सितम्बर, 2022

मुलायम से मिले नीतीश कुमार कहा... 7 | मिशन 2024: निकाय चुनाव से... 3 | 62 जिलों में औसत से कम हुई बारिश... 2

पॉलिटिकल फंडिंग और टैक्स चोरी पर एक्शन में आयकर विभाग

यूपी-राजस्थान समेत कई राज्यों में छापे, नेताओं तक पहुंची आंच

- » राजस्थान के गृहराज्य मंत्री राजेंद्र यादव के आवास पर छापा, दस्तावेज खंगाल रही टीम
- » लखनऊ में राष्ट्रीय क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के प्रमुख गोपाल राय के आवास पर छापेमारी
- » छत्तीसगढ़ में स्टील और शराब कारोबारी निशाने पर, मिड-डे-मील घोटाले से भी जुड़ा है मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पॉलिटिकल फंडिंग और टैक्स चोरी के मामले में आयकर विभाग ने यूपी और राजस्थान समेत कई राज्यों में एक साथ छापेमारी की। देशभर के 100 से अधिक ठिकानों पर कार्रवाई की गयी है। टीम के निशाने पर नेता-मंत्री और कारोबारी है। ताबड़तोड़ छापेमारी से हड़कंप मच गया है।

आयकर विभाग ने आज गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों व उनसे जुड़ी संस्थाओं, ऑपरेटरों और अन्य के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। टीम उत्तर प्रदेश के कई शहरों में छापेमारी कर रहा है। लखनऊ में टीम राष्ट्रीय क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के प्रमुख गोपाल राय के घर पहुंची। गोपाल राय केंद्रीय लोक शिकायत और जांच संस्थान नाम से संस्था चलाते हैं। उनके घर कागजों की जांच चल रही है। राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार में गृहराज्य मंत्री राजेंद्र यादव और मिड-डे-मील कारोबारी समूह पर छापा पड़ा है। मंत्री राजेंद्र यादव की कोट पुतली में पोषाहार बनाने की फैक्ट्री है। यहां 53 जगहों पर टीमें पहुंची हैं। इसके साथ ही इनके सहयोगियों के दिल्ली में आठ, महाराष्ट्र में सात और उत्तराखंड में एक ठिकाने पर कार्रवाई चल रही है। सूत्रों के मुताबिक आयकर विभाग को जानकारी मिली है कि मिड-डे-मिल के ठेके को लेकर बड़ा घालमेल किया जा रहा था। इसमें तत्कालीन राज्य सरकारों का हाथ रहा है जिसके एवज में राजनीतिक फंडिंग की जाती है। हरियाणा और छत्तीसगढ़ में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बेंगलुरु में मनिपाल ग्रुप पर भी छापा पड़ा है। मुंबई में भी छापेमारी चल रही है। छत्तीसगढ़ के रायपुर और रायगढ़ में छापेमारी की गई है। आरके गुप्ता के घर ऐश्वर्या किंगडम, उर्ला के लविस्टा स्थित अग्रवाल ब्रदर्स की स्टील और पॉवर फैक्ट्री, मुकेश अग्रवाल, नटवर तेरिया और अनिल अग्रवाल के रायगढ़ स्थित ठिकानों पर भी रेड चल रही है। रायपुर में शराब कारोबारी अमोलक सिंह भाटिया के घर भी रेड जारी है।

“ मैने पहले ही कहा था कि राज्य में जल्द ही आयकर के छापे पड़ने वाले हैं। अभी तो सिर्फ आयकर की टीम आई है, उसके पीछे-पीछे ईडी भी आएगी।

भूपेश बघेल, सीएम, छत्तीसगढ़

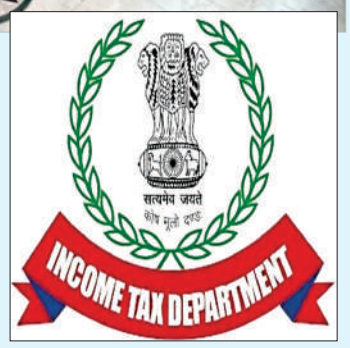

ममता के मंत्री के आवास पर सीबीआई की छापेमारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोयला तस्करी मामले में सीबीआई की टीम ने आज बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई की टीम ने आसनसोल स्थित ममता सरकार में कानून मंत्री मलय घटक के आवास पर छापा मारा है। इसके अलावा कोलकाता के चार ठिकानों पर भी सीबीआई के अधिकारी पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि सभी ठिकाने मलय घटक से जुड़े हुए हैं। सीबीआई की टीम का यहां तलाशी अभियान जारी है। इससे पहले ईडी की टीम ने दो सितंबर को मलय घटक को समन भेजा था। उन्होंने कोयला घोटाले के मामले में पूछताछ के लिए 14 सितंबर को तलब किया गया है। इसी मामले में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से भी पूछताछ हो चुकी है। बीते दिनों ईडी की टीम ने अभिषेक बनर्जी से सात घंटे तक पूछताछ की थी।

पैक्सफेड के पूर्व अध्यक्ष मन्नू कटियार के घर पहुंची टीम

कानपुर में आयकर विभाग ने बाबू सिंह कुशवाहा की जनराज्य पार्टी से जुड़े रहे उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ (पैक्सफेड) के पूर्व अध्यक्ष मन्नू कटियार के काकादेव, केशव नगर और किदवई नगर स्थित आवास व प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की है। इसमें अवैध लेन-देन और राजनीतिक दलों को चंदा देने को लेकर जांच की जा रही है। पूर्व में बाबू सिंह के करीबी देशराज कुशवाहा के घर पर भी छापेमारी की कार्रवाई की गई थी।

चुनावी फंडिंग का क्या है मामला

चुनाव आयोग ने जून में सीबीडीटी को एक लेटर लिखा था और इसके बाद 111 राजनीतिक पार्टियों को अमान्य घोषित किया गया था। इन पार्टियों ने फंड के नाम पर गलत तरीके से मोटी रकम इकट्ठा की थी। इन्हीं को आधार बनाकर रेड की जा रही है। इसी साल जून में निर्वाचन आयोग में 111 ऐसी पार्टियों को रजिस्टर से हटाने का आदेश दिया था जो पंजीकृत तो थीं लेकिन अस्तित्व में नहीं थीं। उनके पते फर्जी निकले, उनके पतों पर भेजी गई डाक वापस आ गई, लेकिन ये पार्टियां अवैध तरीके से डोनेशन ले रही थीं और उसमें गड़बड़ी कर रही थीं। ऐसी पार्टियों की वित्तीय जांच करने के लिए कहा गया था। माना जा रहा है कि चुनाव आयोग की सिफारिश पर आयकर विभाग द्वारा यह कार्रवाई की गई है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा छलावा: रविशंकर

» पार्टी टूट रही और राहुल गांधी निकले हैं देश जोड़ने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पर तंज कसते हुए कहा है कि राहुल गांधी पहले अपना घर, पार्टी को एकजुट कर लेते तब भारत को जोड़ने की बात करते तो बेहतर होता। कांग्रेस के अपने पुराने समर्पित लोग, समर्पित नेता कांग्रेस छोड़कर जा रहे हैं और राहुल गांधी देश जोड़ने चले हैं ।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इस समय जो स्थिति है, वह किसी से छिपी नहीं है। ये पूरा घमासान किसकी वजह से हो रहा है, ये भी कोई राज नहीं है। ऐसे में जो अपने को अपनी पार्टी से भी नहीं जोड़ सके वे भारत जोड़ने की यात्रा पर निकले हैं। ये सिर्फ इनका छलावा है और दिखावा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में सिर्फ गांधी राग ही सुनाई देता है। कांग्रेस में एक दरबारी गायन होता है कि राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाओ, फिर अध्यक्ष बनाओ। गौरतलब है कि कांग्रेस आज कन्याकुमारी से 3570 किमी लंबी भारत जोड़ो यात्रा शुरू कर रही है, इसकी अगुवाई राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि देश में नकारात्मक राजनीति की जा रही है। भारत जोड़ो यात्रा के जरिए महंगाई, बेरोजगारी जैसे जनता से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कराया जाएगा।

सभी दलों ने की गंदी राजनीति, अब इनके भरोसे नहीं छोड़ सकते देश: केजरीवाल

» 75 वर्षों में भारत क्यों नहीं बन सका नंबर वन, अच्छी शिक्षा की करनी होगी व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज हरियाणा के हिसार पहुंचे। उन्होंने कहा कि देश आजादी का 75 साल का जश्न मना रहा है मगर आज सभी के मन में एक प्रश्न है कि इन 75 सालों में कई देश हमसे आगे निकल गए। भारत पीछे क्यों रह गया। भारत दुनिया का नंबर-वन देश क्यों नहीं बन पाया।

उन्होंने कहा कि 75 साल तक सभी दलों ने गंदी राजनीति की है। अगर इनके भरोसे छोड़ दिया तो अगले 75 साल भी भारत पीछे रह जाएगा। यदि 130 करोड़ लोग एकजुट हो जाएं तो भारत को नंबर-वन देश बनने से कोई नहीं रोक सकता है। हम भारत को नंबर वन देश बनाने में जुटे हैं। देश के कोने-कोने में जाएंगे और लोगों को जोड़ने का काम करेंगे। आजाद भारत को सबसे अधिक ध्यान शिक्षा पर देना चाहिए था मगर 75 साल बाद ऐसा नहीं हुआ। देश अब और इंतजार नहीं कर सकता है। अब पूरे देश में वार मोड में अच्छी शिक्षा की व्यवस्था करनी होगी।

62 जिलों में औसत से कम हुई बारिश, मांगी रिपोर्ट

» मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को सर्वे करने का दिया निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के 62 जिलों में औसत से कम बारिश हुई है। स्थिति के सही आकलन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी जिलों के जिलाधिकारियों को सर्वे करने का निर्देश दिया है। 75 जिलों में 75 टीमें इसके लिए काम करेंगी और जिलाधिकारियों को एक सप्ताह में रिपोर्ट देनी होगी। लापरवाही बरतने और देरी होने पर जिला अधिकारी जवाबदेह होंगे। सूखा प्रभावित जिलों में लगान स्थगित रहेंगे साथ ही ट्यूबवेल के बिलों की वसूली भी स्थगित रहेगी औरट्यूबवेल कनेक्शन भी नहीं काटे जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने दलहन तिलहन और सब्जी के बीज किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सिंचाई विभाग सिंचाई के लिए नहरों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा और बिजली विभाग को ग्रामीण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए ताकि प्रभावित किसानों को राहत मिल सके। इससे एक दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यूपी को दंगा मुक्त बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। यूपी में अपराध और अपराधियों के लिए कोई

जगह नहीं है। सरकार भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। हमारा मकसद निवेश और रोजगार को बढ़ावा देकर प्रदेश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करना है। रामपुर के औद्योगिक विकास के लिए उन्होंने बिलासपुर में इंडस्ट्रियल एरिया बनाने का एलान किया।

अच्छी कानून व्यवस्था ही निवेश की अनिवार्य शर्त

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अच्छी कानून व्यवस्था ही निवेश की अनिवार्य शर्त है। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था देश-दुनिया के लिए नजीर बनी है। निवेशक और उनकी पूंजी सुरक्षित है। सुरक्षा से निवेश और निवेश से विकास की गति तेज हुई है। प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी बढ़ा है। काम मिल रहा है। सबके जीवन में खुशहाली आ रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर परिवार के कम से कम एक सदस्य को रोजगार या स्वरोजगार का अवसर उपलब्ध कराना है। इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में सपा नेता आजम खां नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। कहा कि पिछली सरकारों में यहां के एतिहासिक महत्व के संस्थानों को हड़पने का कार्य हुआ। जिन्होंने रामपुर के विकास के पहिए को थामने का कार्य किया, उन्हें अंतत:दुर्गति भुगतनी पड़ रही है। कहा कि यहां के लोगों ने विकास, विकास और समृद्धि के साथ खड़े होकर नए युग की शुरूआत की है।

यूपी भी होगा सपा-बसपा मुक्त : केशव मौर्य

» जनता ने उन्हें विपक्ष में बैठा दिया इसलिए बौखलाए हुए हैं अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कौशांबी में गौशाला, निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज समेत अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी पर तंज कसा। कहा कि वह बीजेपी की जिलाध्यक्ष से बता दें, वह एक महिला हैं, वह उनके घर पर सामान भेज देंगी। इस दौरान उन्होंने नारा दिया कि जिस प्रकार कांग्रेस मुक्त भारत उसी प्रकार सपा-बसपा मुक्त उत्तर प्रदेश होगा।

डिप्टी सीएम सबसे पहले भरवारी नगर पालिका स्थित पल्हना गौशाला पहुंचे। यहां उन्होंने गौवंशों को चना-गुड़ और हरा चारा खिलाया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गौशालाओं में गौवंशों के रखरखाव में किसी भी प्रकार की कमी नहीं की जानी चाहिए। गौशाला के निरीक्षण के बाद डिप्टी सीएम ने विकास खण्ड मूरतगंज मोइद्दीनपुर गौस में ही निर्माणाधीन आईटीआई कॉलेज का निरीक्षण किया और कार्यदायी संस्था को गुणवत्तापूर्ण निर्माण करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य निर्माणाधीन कॉलेज के निरीक्षण के बाद मंझनपुर के लिए रवाना हुए। निरीक्षण के बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट स्थित उदयन सभागार में अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन्होंने अधिकारियों से विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए निर्देशित किया है। केशव प्रसाद मौर्य ने पीसी करते हुए बताया कि अधिकारियों को जनपद में ओवरलोड को पूरी तरह से रोकने के लिए निर्देशित किया है।

मझवार समूह की उपजातियों को परिभाषित करने का प्रस्ताव केंद्र को भेजेगी योगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उच्च न्यायालय से 17 अति पिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने संबंधी सभी अधिसूचनाएं रद होने के बाद योगी सरकार ने उम्मीद के मुताबिक इस दिशा में कदम बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुई मत्स्य विकास मंत्री व निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. संजय निषाद और एमएसएमई मंत्री राकेश सचान की चर्चा के बाद तय हुआ है कि प्रदेश सरकार जल्द ही मझवार समूह की उपजातियों को परिभाषित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजेगी।

उत्तर प्रदेश में 17 जातियां कहार, कश्यप, केवट, मल्लाह, निषाद, कुम्हार, प्रजापति, धीवर, बिंद, भर, राजभर, धीमर, बाथम, तुरहा, गोड़िया, मांझी, मछुवा अतिपिछड़ा वर्ग में दर्ज हैं। इन्हें अनुसूचित जाति वर्ग का

» 17 ओबीसी जातियों को एससी में शामिल करने को यूपी सरकार ने बढ़ाया कदम

आरक्षण दिलाए जाने की समाज की मांग लंबे समय से लंबित है। इसके राजनीतिक लाभ को भुनाने के प्रयास में पूर्व में सरकारें चुनाव के आसपास आरक्षण का मुद्दा उछालती रही हैं। प्रस्ताव केंद्र सरकार तक को भेजे गए, सपा सरकार के कार्यकाल में दो बार अधिसूचनाएं भी जारी कर दी गईं, लेकिन इसके लिए प्रक्रिया असंवैधानिक अपनाई गई, इसलिए तकनीकी पेंच फंसा ही रहा। पिछले दिनों हाईकोर्ट ने अब तक जारी अधिसूचनाओं को रद कर दिया। साथ ही गेंद वर्तमान योगी सरकार के पाले में आ गई। इतने दिन से संभावना जताई जा रही थी कि सरकार इस दिशा में अब ठोस कदम उठा सकती है। मंत्री डॉ. संजय निषाद और राकेश सचान ने मुख्यमंत्री ने लोकभवन में भेंट की। उन्हें मझवार आरक्षण को लेकर यथास्थिति से अवगत कराया और संबंधित तकनीकी बिंदुओं की जानकारी दी। बताया कि नए सिरे से 17 जातियों को अनुसूचित जाति की सूची में दर्ज नहीं करना है, बल्कि उपजातियों को परिभाषित कर अनुसूचित संविधान आदेश 1950 उत्तराखंड सरकार की तर्ज पर लागू कराना है। सीएम ने असीम अरुण कोनिर्देशित किया है कि मझवार आरक्षण संबंधित सभी खामियों को दूर कर प्रस्ताव तैयार कराएं। इसे जल्द ही केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

17 करोड़ की लागत से यूपी में बनेगा एनसीडीसी केंद्र

» बीमारियों की रोकथाम में मददगार साबित होगा एनसीडीसी सेंटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरोजनीनगर के जैतीखेड़ा में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) बनेगा। 2.5 एकड़ भूमि पर करीब 17 करोड़ की लागत से केंद्र बनेगा। दो साल में केंद्र बनकर तैयार होगा। यह जानकारी सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने दी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने वीसी के माध्यम से केंद्र का शिलान्यास किया।

इसके बाद कहा कि एनसीडीसी सेंटर बीमारियों की रोकथाम में मददगार साबित होगा। बीमारी की समय पर पहचान व रोकथाम हो सकेगी। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि देश भर में कुल छह एनसीडीसी केन्द्रों की आधारशिला रखी गई है। इसमें लखनऊ के सरोजनीनगर में केंद्र बनाने की आधारशिला रखी गई। यह हमारे लिए गर्व की बात है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि केंद्र से बीमारियों के प्रसार पर नजर रखना आसान होगा। वायरस की पहचान के लिए जीनोम सिक्वेंसिंग हो सकेगी। लैब में आधुनिक उपकरण होंगे। ताकि नई बीमारियों की पहचान की जा सके। पहले जांच के लिए जिन नमूनों को दिल्ली के एनसीडीसी व अन्य शाखाओं में भेजा जाता था। अब सरोजनीनगर में उनकी जांच हो सकेगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री कृष्णवीर सिंह कौशल का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस से चार बार के विधायक रहे डॉ. कृष्णवीर सिंह कौशल का मंगलवार को निधन हो गया। वह 27 अगस्त से आगरा के उपाध्याय हॉस्पिटल में भर्ती थे। उनके निधन की खबर के बाद राजनीतिक और चिकित्सा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। डॉ. कौशल 84 वर्ष के थे। वह एसएन मेडिकल कॉलेज से वर्ष 1957 के पहले बैच में एमबीबीएस डिग्री धारक रहे। उन्होंने एमएस की डिग्री भी ली। डॉ. कौशल के राजनीतिक जीवन की शुरुआत रिपब्लिकन पार्टी से हुई थी। 1974 में कांग्रेस और आरपीआई के गठबंधन में छावनी सीट से उन्हें टिकट मिला। डॉ. कृष्णवीर सिंह कौशल 1974, 1977, 1980 और 1985 में छावनी विधानसभा से विधायक चुने गए। पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी के कार्यकाल में डॉ. कौशल को सूचना राज्य मंत्री और उसके बाद शिक्षा मंत्री व कृषि मंत्री बनाया गया। वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष भी रहे। उनके निधन की सूचना मिलते ही नॉर्थ ईदगाह कालोनी स्थित आवास पर कांग्रेस नेताओं का पहुंचना शुरू हो गया। डॉ. कृष्णवीर सिंह कौशल के दो बेटे राजेश कौशल और डॉ. यज्ञेश कौशल हैं। उनकी तीन बेटियां हैं, जिनमें से एक का निधन पिछले वर्ष हो गया था।

मिशन 2024 : निकाय चुनाव से प्रदेश में माहौल बनाएगी भाजपा, मास्टर प्लान तैयार

» नगर निगमों, पालिका परिषदों में भगवा फहराने का तय किया लक्ष्य

» प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से प्रदेश की सत्ता में लगातार दूसरी बार लौटी भाजपा अब लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुटी गई है। प्रदेश की सभी अस्सी सीटों पर कब्जा करने के लक्ष्य को लेकर प्लान तैयार किया जा चुका है। लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा आगामी नगर निकाय चुनाव के जरिए जनता के बीच अपनी पैठ बढ़ाने की जुगत में है। भाजपा ने अधिकांश नगर निगमों, नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में भगवा फहराने की तैयारी कर ली है। इसके लिए प्रभारियों को भी नियुक्त किया जा चुका है।

लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा ने नगर निकाय चुनाव में सभी नगर निगमों और 200 नगर पालिका परिषदों के साथ अधिकांश नगर पंचायतों में पर अपनी नजरें गड़ा दी हैं। निकाय चुनाव को लोक सभा चुनाव का सेमीफाइनल मानते हुए पार्टी पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरने को कमर कस ली है। इसे लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने पार्टी के जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों और निकाय चुनाव के संयोजकों के साथ वर्चुअल बैठककर चुनाव का रोडमैप तैयार किया। प्रदेश में नवंबर-दिसंबर में कुल 753 नगरीय निकाय संस्थाओं में चुनाव होने है। इसके अलावा चार और नयी नगर पंचायतों के गठन को भी मंजूरी दे दी गयी है। इस चुनाव से ही भाजपा लोक सभा चुनाव का माहौल बनने की शुरुआत करेगी। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि जनवरी-फरवरी में विधान परिषद में शिक्षक एवं स्नातक क्षेत्र की पांच सीटों पर भी चुनाव होने हैं। ये सभी सीटें जीतने के लिए क्षेत्रों के जिलाध्यक्षों और क्षेत्रीय अध्यक्षों को अभी से तैयारी शुरू करनी होगी।

जनता से संवाद

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा सप्ताह के जरिए सरकार के मंत्री और संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता 15 दिन में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से तीन करोड़ से अधिक लोगों के बीच पहुंचेगी। इसके तहत प्रत्येक जिले में प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। भाजयुमो की ओर से रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। इसके अलावा पार्टी लोगों को जागरूक करने के साथ जन सुविधाओं पर भी अभियान चलाएगी। वहीं पं. दीनदयाल उपाध्याय का जन्मदिन 25 सितंबर को बूथों पर मनाने की तैयारी है।

जिला और मंडल स्तर पर होगी बैठकें

11 व 12 सितंबर को जिला स्तर पर और 14 व 15 सितंबर तक मंडल स्तर की बैठकें आयोजित कर सभी नगरीय निकायों में चुनाव संयोजक नियुक्त किए जाने है। प्रत्येक वार्ड की बैठक 25 सितंबर तक करने को कहा गया है। धर्मपाल ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को अभियान में अधिक से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने होंगे।

प्रदेश को मथेंगे भूपेंद्र व धर्मपाल

धर्मपाल नोएडा में पश्चिम क्षेत्र और आगरा में ब्रज क्षेत्र की बैठक लेकर चुनावी तैयारी का रोडमैप तैयार करेंगे। इसी तरह भूपेंद्र चौधरी कानपुर और लखनऊ में अवध क्षेत्र की बैठक लेंगे। धर्मपाल 8 को वाराणसी में काशी क्षेत्र और 9 को गोरखपुर में बैठक कर पूर्वांचल में जीत का खाका तैयार करेंगे।

योगी सरकार सभी शिक्षण संस्थानों को बताएगी साक्षरता का महत्व

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर छात्र-छात्राओं को दी जाएगी जानकारी

» घर व आसपास के निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाने के लिए करेंगे प्रेरित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने शिक्षा को लेकर एक नई पहल की है। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों की प्रार्थना सभा में छात्र-छात्राओं को साक्षरता का महत्व बताया जाएगा। इसके जरिए बच्चे अपने घर व आसपास के निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाने को प्रेरित होंगे। निदेशक साक्षरता गणेश कुमार ने डायट प्राचार्य, जिला विद्यालय निरीक्षक व बेसिक शिक्षा अधिकारियों को भेजे पत्र में लिखा है कि आठ सितंबर को अंतर राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन गांवों से लेकर जिला मुख्यालय तक होना है।

जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी के साथ इसकी कार्ययोजना तैयार कर ली जाए। जिले के परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, मान्यता प्राप्त, हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, महाविद्यालय, बीएड, डीएलएड व जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों की प्रार्थना सभाओं में साक्षरता की जानकारी दी जानी है। निर्देश है कि परिषदीय प्राथमिक व मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षक व छात्र-छात्राएं ग्राम पंचायत स्तर पर साक्षरता रैली निकालें। तख्तियों पर साक्षरता संबंधी नारे लिखे हों। इसी तरह से हाईस्कूल, इंटर, डिग्री कालेज, बीएड संस्थानों में साक्षरता से संबंधित भाषण, निबंध लेखन, नारे व नाटक और गीत आदि की प्रतियोगिता कराई जाए। जिला स्तर पर जनप्रतिनिधि व जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अंतर विभागीय समन्वय करके बड़े पैमाने पर आयोजन कराएं। इसमें जिले की निरक्षर जनसंख्या को साक्षर बनाने के लिए रेखांकित किया जाए।

> जेलों में बंदियों में सुधार और पुर्नवास के लिए तीन बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उनकी उच्च शिक्षा, कौशल विकास और मानसिक व बौद्धिक एवं चारित्रिक विकास पर ज्यादा ध्यान है जिससे वह जेल से बाहर आने के बाद समाज में खुद को पुर्नस्थापित कर सकें।
>
> आनंद कुमार, डीजी कारागार

कौशल विकास में प्रदेश के जेल देश में अव्वल

बंदियों के पुर्नवास के लिए उन्हें कौशल विकास में प्रशिक्षित करने के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार कौशल विकास के कार्यों जैसे हथकरघा, कारपेंटरी, कृषि साबुन और फिनायल आदि में वर्ष 2021 में प्रदेश की जेलों में कुल 18.3 फीसद बंदियों को प्रशिक्षित किया गया। जो देश में प्रथम है, राजस्थान में यह आंकड़ा 11.80 फीसद और पश्चिम बंगाल में 0.40 फीसदी है। वर्ष 2021 में प्रदेश की जेलों में कुल 1162 बंदियों को कंप्यूटर में दक्ष किया गया। जो देश के अन्य राज्यों की जेलों में बंद बंदियों की तुलना सबसे अधिक है।

यूपी की जेलों में भी हिट रही अभिषेक बच्चन की दसवीं

अभिषेक बच्चन की फिल्म दसवीं सिर्फ आगरा केंद्रीय कारागार में ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश की जेलों में भी हिट रही है। बंदियों की शिक्षा और पुर्नवास के मामले में उत्तर प्रदेश की जेलें देश में सबसे आगे हैं। देश में सबसे ज्यादा उच्च शिक्षित बंदी उत्तर प्रदेश की जेलों में हैं। जो देश की जेलों में बंद कुल बंदियों का 20 फीसदी है। साथ ही कौशल विकास योजना के मामले में भी यह 18 फीसदी है। बता दें कि अभिषेक बच्चन और यामी गौतम की फिल्म दसवीं की शूटिंग फरवरी मार्च 2021 में आगरा सेंट्रल जेल में हुई थी। दबंग नेता का किरदार करने वाले अभिषेक बच्चन ने जेल में रहकर दसवीं पढाई कर उसे पास किया था। अभिषेक बच्चन के किरदार से प्रेरित होकर केंद्रीय कारागार के बंदियों में शिक्षा की ललक जागी। वर्ष 2021 में बंदियों ने हाईस्कूल का परीक्षा का फार्म भरा। वर्ष 2022 में नौ बंदियों ने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो ने वर्ष 2021 के आंकड़े जारी किए हैं। आंकड़ों के अनुसार बंदियों की शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से उनके पुर्नवास के मामले में देश में उत्तर प्रदेश की जेलें अव्वल हैं। जिसके अनुसार प्रदेश की जेलों में 671 बंदी स्नातकोत्तर, 2002 बंदी स्नातक, 6035 बंदी इंटरमीडिएट और 10245 बंदी हाई स्कूल हैं। आगरा केंद्रीय कारागार में बंदियों को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत हथकरघा और फर्नीचर बनाने का प्रशिक्षण देकर कुशल कारीगर बनाया जा रहा है। यहां पर तैयार किए गए फर्नीचर और कपड़ों को बाहर बेचकर बंदी जेल में रहते हुए भी हजारों कमा रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भारत-बांग्लादेश की दोस्ती के निहितार्थ

भारत और बंग्लादेश के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में सात समझौते किए। इसके अलावा दोनों देशों ने दुनिया में बढ़ते आतंकवाद से मिलकर लड़ने का ऐलान भी किया। सवाल यह है कि क्या इन समझौतों से दोनों देशों के विकास और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा? क्या इससे बांग्लादेश के जरिए चीन की भारत को घेरने की रणनीति कुंद होगी? क्या बांग्लादेश की दोस्ती एशिया की कूटनीति को प्रभावित करेगी? क्या कोराना काल में कमजोर हुई बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में सुधार आएगा? क्या शेख हसीना बांग्लादेश में पल रहे आतंकी संगठनों पर शिकंजा कस पाएंगी? क्या बांग्लादेशी घुसपैठियों पर अंकुश लग सकेगा?

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते हमेशा से मधुर रहे हैं। दोनों देश आपसी संवाद से अपने विवादों का निपटारा करते रहे हैं। वहीं भारत, हर मुश्किल वक्त में बांग्लादेश के साथ खड़ा रहा है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से बांग्लादेश से भारत में आतंकियों की घुसपैठ बढ़ी है। हाल में असम में बांग्लादेशी आतंकियों को पकड़ा गया है। ये आतंकी भारत में लगातार घुसपैठ कर रहे हैं। बांग्लादेश के भारत के दुश्मन चीन से भी रिश्ते हैं। चीन बांग्लादेश के जरिए भारत को घेरने की फिराक में है। चीन ने बांग्लादेश में कई योजनाएं चला रखी हैं लेकिन हाल में चीनी कंपनियों पर बांग्लादेश में भूमि संबंधी नियमों का उल्लंघन और कंस्ट्रक्शन मटेरियल की चोरी के आरोप लगे हैं। इससे बांग्लादेश सरकार को हर साल करीब 11 अरब का नुकसान हो रहा है। श्रीलंका का हाल देखने के बाद शेख हसीना अब चीन से सावधान हो गयी हैं और भारत से संबंधों को मजबूत करने पर जोर दे रही हैं। यही वजह है कि आर्थिक और वैज्ञानिक विकास के लिए बांग्लादेश ने भारत के साथ समझौते किए हैं। इसमें कुशीयारा नदी जल बंटवारा सबसे अहम है। इससे बांग्लादेश के खेतों को पर्याप्त पानी मिल सकेगा। वहीं वैज्ञानिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। अब भारतीय रेलवे के प्रशिक्षण संस्थानों में बांग्लादेश के रेलकर्मी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। दोनों देशों की अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच भी समझौते हुए हैं। जाहिर है इसका फायदा बांग्लादेश को मिलेगा। वहीं भारत को बांग्लादेश में चीन के बढ़ते दखल पर अंकुश लगाने में सफलता मिलेगी। बावजूद इसके बांग्लादेशी घुसपैठियों और वहां पल रहे आतंकियों को समाप्त करने को लेकर बांग्लादेश ने अपनी नीति साफ नहीं की जबकि यह भारत के लिए बड़ी समस्या है। साफ है भारत को इसके लिए बांग्लादेश पर दबाव बनाना होगा।

चीन ने बांग्लादेश में कई योजनाएं चला रखी हैं लेकिन हाल में चीनी कंपनियों पर बांग्लादेश में भूमि संबंधी नियमों का उल्लंघन और कंस्ट्रक्शन मटेरियल की चोरी के आरोप लगे हैं। इससे बांग्लादेश सरकार को हर साल करीब 11 अरब का नुकसान हो रहा है। श्रीलंका का हाल देखने के बाद शेख हसीना अब चीन से सावधान हो गयी हैं और भारत से संबंधों को मजबूत करने पर जोर दे रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विपक्ष को किंगमेकर की तलाश

प्रभु चावला

कभी विपक्ष में बड़े नेताओं का वर्चस्व था पर आज वह ऐसे स्वयंभू शासकों का समूह है, जो अपने प्रभाव की भौगोलिक सीमाओं में बंधे हुए हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साम्राज्य शक्ति और आकार में बढ़ता गया है। किसी भी क्षेत्रीय राजनीतिक राजवंश या दीवान में अकेले केसरिया किले पर हमले की क्षमता नहीं है लेकिन सत्ता का आकर्षण ऐसा होता है कि वे मृग मरीचिका में उम्मीद देख रहे हैं, खासकर तब जब 2024 का चुनाव नजदीक आ रहा है।

विपक्षी नेतृत्व के लिए मोदी शक्ति ने आत्ममंथन का क्षण ला दिया है। तीसरी लहर उनके राजनीतिक अस्तित्व को क्षीण कर देगी और भारतीय लोकतंत्र में उनका असर लुप्त हो जायेगा। नरेंद्र मोदी के कांग्रेस-मुक्त भारत के घोषित लक्ष्य का एक नतीजा यह है कि राष्ट्रीय विपक्ष-मुक्त भारत बन रहा है, जो कहीं से भी ठीक नहीं है। आंतरिक खेमेबंदी, भ्रष्टाचार और परिवारवाद से ग्रस्त विपक्षी नेता एजेंसियों से डरे हुए हैं तथा या तो वे जेल जा रहे हैं या शर्तों के साथ सत्ताधारी दल में शरण ले रहे हैं, पर अब भी कुछ ताकतवर क्षेत्रीय नेता हैं। विभाजन से हुए पतन से उठने के लिए उन्हें एक होना होगा। बीते सप्ताह विपक्षी एकता के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की कोशिशें सुर्खियों में थीं। वे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने पटना गये थे। दोनों नेता संभावित प्रधानमंत्री के रूप में देखा जाना पसंद करते हैं, भले वे इसका उल्लेख नहीं करते। बीते कुछ महीनों से सोनिया गांधी, शरद पवार, एमके स्टालिन, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और अन्य विभिन्न समूहों में मिलते रहे हैं, ताकि भाजपा का कोई व्यावहारिक भरोसेमंद विकल्प बनाया जा सके, लेकिन विभिन्न विचारधाराओं को साथ लेकर एक ठोस मंच की संभावना अभी नहीं दिखती, जैसा राजीव गांधी के विरुद्ध चेन्नई में 18 राष्ट्रीय व क्षेत्रीय दल एक साथ आये थे। हर नेता किसी दूसरे को आगे करने की जगह खुद नरेंद मोदी की जगह लेना चाहता है। इसमें सबसे आगे ममता बनर्जी , केसीआर और अरविंद केजरीवाल हैं। कांग्रेस पार्टी उनकी निगाह में नहीं है। पवार, लालू और स्टालिन भाजपा भगाओ, भारत बचाओ के नारे पर आधारित एकत्रित विपक्ष बनाना चाहते हैं। वे विभाजन की आशंका से पीएम के चेहरे का नाम नहीं लेना चाहते हैं। उनका कहना है कि सरकार का नेतृत्व चुनाव जीतने के बाद हो। ऐसा 2004 में हुआ था। ऐतिहासिक रूप से

प्रधानमंत्री का चुनाव उन खिलाड़ियों द्वारा होता है, जो खुद खेल में नहीं होते। 1977 में जयप्रकाश नारायण चरण सिंह के स्थान पर मोरारजी देसाई को चुन पाये थे। आइके गुजराल और एचडी देवेगौड़ा को एम करुणानिधि, चंद्रबाबू नायडू और हरकिशन सिंह सुरजीत ने चुना था। चूंकि बिना कांग्रेस के समर्थन के कोई भी गैर भाजपा सरकार नहीं बन सकती है तो वे ही कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों के बीच एकमात्र पुल है। शासक बनने की महत्वाकांक्षा रखने वाले इतिहास में कम जगह बना पाते हैं। नरेंद्र मोदी और इंदिरा गांधी जैसे कुछ ही इसके अपवाद हैं इतिहास बताता है कि जिसने शीर्ष पद की ख्वाहिश नहीं की, कम से कम सार्वजनिक रूप से, वही महज किंग बनने के बजाय किंगमेकर बनता है। राजनीति का यह खेल स्वतंत्रता के तुरंत बाद शुरू हो गया था, जब पंडित जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री बने थे। 1964 में पंडित नेहरू के निधन के बाद कई वरिष्ठ नेता उनकी जगह लेना चाहते थे। के कामराज उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष थे। नेहरू के निधन के बाद गुलजारीलाल नंदा अंतरिम प्रधानमंत्री बने पर कामराज ने लाल बहादुर शास्त्री को नेहरू का उत्तराधिकारी बनाया। कामराज, जगजीवन राम और अन्य नेताओं पर अपनी इच्छा इसलिए थोप सके, क्योंकि वे खुद प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते थे। जब कुछ समय बाद ताशकंद में शास्त्री की मौत हुई तो कामराज इंदिरा गांधी के समर्थन में खड़े हुए। राजीव गांधी की हत्या के बाद सोनिया गांधी के पार्टी की कमान संभालने से मना करने के बाद संभावित माने जाने वालों को पद नहीं मिला। प्रणब मुखर्जी, अर्जुन सिंह, एनडी तिवारी आदि की नजर पार्टी के अध्यक्ष और पीए पद पर थी। गांधी परिवार के नजदीकी के करुणाकरण ने उन्हें अध्यक्ष के रूप में पीवी नरसिम्हा राव को स्वीकारने के लिए तैयार किया। पार्टी की हार के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया। सोनिया किंगमेकर बनीं और अब भी पार्टी की कमान उन्हीं के पास है पर पार्टी के पास नाममात्र की राजनीतिक बादशाहत के लिए लड़ सकने वाले सैनिक बहुत कम बचे हैं। फिर भी कांग्रेस के बिना कोई विकल्प कारगर नहीं हो सकता है, पर कांग्रेस समेत विपक्ष को एक किंग की जरूरत है, जो छोटे-छोटे रजवाड़ों को एकजुट कर सके, पर इससे पहले उसे किंगमेजर खोजना होगा। तभी उसका उद्धार हो सकता है।

निर्माण क्षेत्र बने अधिक रोजगारोन्मुखी

पीएस वोहरा

पिछले तीन दशकों से भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास की बागडोर सेवा क्षेत्र के हाथ में है पर 2019 तक कुल श्रम संख्या के मात्र 32 प्रतिशत लोग ही सेवा क्षेत्र से जुड़े हुए थे। बाकी बचे लोग कृषि क्षेत्र पर या विभिन्न तरह के असंगठित क्षेत्रों में संलग्न है। वर्ष 2011 के बाद सरकारी स्तर पर कोई ऐसा सर्वे उपलब्ध नहीं है जो बता पाये कि जनसंख्या का कितना प्रतिशत भाग वास्तव में रोजगार प्राप्त कर रहा है और किन क्षेत्रों में।

हर कोई यह मानता है कि बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। सरकारों की सफलता व असफलता का पैमाना भी बेरोजगारी दर में वृद्धि व कमी पर निर्भर करता है। सीएमआईए के अनुसार अभी यह दर शहरी क्षेत्र में नौ प्रतिशत से अधिक और ग्रामीण क्षेत्र में करीब सात प्रतिशत है। पिछले वर्ष की औसत दर 7. 5 प्रतिशत रही है। पिछले तीन दशकों से कभी भी बेरोजगारी दर पांच प्रतिशत से नीचे नहीं रही है। इस अवधि में मुल्क की आबादी 50 करोड़ के आसपास बढ़ी है यानी बेरोजगारों की संख्या लगातार तेजी से बढ़ती जा रही है। हमारे मुल्क को रोजगार विहीन आर्थिक वृद्धि के तौर पर देखा जाता है। इस संदर्भ के पीछे मुख्य कारण यह है कि विनिर्माण क्षेत्र का योगदान व्यक्ति के आर्थिक जीवन में काफी कम है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2019 तक मात्र छह करोड़ लोग ही विनिर्माण क्षेत्र के विभिन्न रोजगारों में संलग्न थे। आगे के दो वित्तीय वर्ष महामारी की भेंट चढ़े थे इसलिए इस आंकड़े में वृद्धि शायद नहीं हुई होगी।

पिछले तीन दशकों से भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास की बागडोर सेवा क्षेत्र के हाथ में है, पर 2019 तक कुल श्रम संख्या के मात्र 32 प्रतिशत लोग ही सेवा क्षेत्र से जुड़े हुए थे बाकी बचे लोग कृषि क्षेत्र या विभिन्न तरह के असंगठित क्षेत्रों में संलग्न है। 2011 के बाद सरकारी स्तर पर कोई ऐसा सर्वे उपलब्ध नहीं है जो बता पाये कि जनसंख्या का कितना प्रतिशत भाग वास्तव में रोजगार प्राप्त कर रहा है और किन क्षेत्रों में। फिर भी उपलब्ध कई रिपोर्टों के मुताबिक 44 प्रतिशत आबादी असंगठित क्षेत्रों में काम कर रही है, जहां रोजगार की कोई गारंटी या सुरक्षा नहीं है।

कर्मचारी कल्याण व वेतन बढ़ोतरी के संदर्भ में भी कोई नीतियां नहीं पायी जाती है। इसके अलावा करीब 46 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है पर वे वास्तव में कितना कमा रहे हैं, इसके आर्थिक आंकड़े उपलब्ध नहीं है। शेष 10 प्रतिशत आबादी औपचारिक रूप से विभिन्न प्रकार के रोजगार, नौकरियों और व्यापार-धंधों के माध्यम से, में संलग्न है। यह स्थिति आर्थिक विकास में कई अवरोध पैदा कर रही है। इसमें लगातार बढ़ रही आर्थिक असमानता मुख्य है। इसके अलावा भारत तेजी से बढ़ता युवा मुल्क भी बन रहा है। आने वाले दो-तीन दशकों में हमारी युवा शक्ति को किन क्षेत्रों में उपयोग में लाया जायेगा, यह गहन सोच का विषय बनता जा रहा है। आर्थिक विकास के संदर्भ में एक मुख्य समस्या यह भी है कि भारत में साक्षरता दर का आंकड़ा अभी भी तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले काफी कम है। भारत की श्रम शक्ति भागीदार दर 49 प्रतिशत है, जो एशिया में सबसे कम है।

चीन में यह 68 प्रतिशत है। इसी कारण भारत में तकरीबन हर परिवार में कमाने वाले पर निर्भर रहने वालों की संख्या अधिक है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभी भारत में 15 से 64 वर्ष के आयु वर्ग के कामकाजी समूह के अंतर्गत करीब 92 करोड़ लोग हैं जबकि चीन में यह संख्या 100 करोड़ है। आगामी 20 वर्षों के बाद इस आयु वर्ग के समूह में चीन भारत से पिछड़ जायेगा और नये 16 करोड़ व्यक्ति भारत में इस आयु वर्ग समूह में जुड़ जायेंगे यानी 2040 तक भारत में कामकाजी समूह के व्यक्तियों की संख्या करीब 109 करोड़ होगी। पाकिस्तान में इस दौरान छह करोड़, बांग्लादेश में 1.9 करोड़ और चीन में 11.4 करोड़ लोग जुड़ेंगे। स्पष्ट है कि आगामी 20 वर्षों में भारत एक ऐसा मुल्क बन जायेगा, जहां कामकाजी व्यक्तियों की संख्या सबसे अधिक होगी। प्रश्न यह है कि क्या हम आत्मनिर्भर बन कर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध करवायेंगे या वह स्थिति हमारे लिए आर्थिक संकट का नया कारण बन जायेगी।

विनिर्माण क्षेत्र के निर्यात में भारत का हिस्सा करीब 1.45 प्रतिशत ही है जबकि हमारी आबादी के सात प्रतिशत के बराबर का मुल्क वियतनाम हमसे ज्यादा अंशदान रखता है। इसका मुख्य कारण यह है कि हमारे यहां शोध व अनुसंधान पर बहुत कम निवेश है। पिछले वित्त वर्ष में जीडीपी का मात्र 0.7 प्रतिशत ही इस मद में निवेश किया गया था, जबकि इस्त्राइल में यह 4.6 प्रतिशत था, तो चीन में 2.1 प्रतिशत। शोध व अनुसंधान को स्कूली शिक्षा से भी जोड़ना होगा। हमें अपनी इस सोच में भी बदलाव लाना होगा कि अधिक आर्थिक विकास से आर्थिक असमानता बढ़ेगी। रुपये व डॉलर की लगातार तुलना तथा रुपये की कमजोरी को आर्थिक अक्षमता मान लेना भी ठीक नहीं है।

फल खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। फल खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। हर मौसम में फल खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इससे इम्यून सिस्टम मजबूत हो जाता है और कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। इसको लेकर एक्सपर्ट की राय जान लेते हैं।

हेल्दी रहने के लिए खूब खाएं

मौसमी फल

मौसम में हो रहे बदलाव के दौरान लोगों को हेल्थ को लेकर काफी सावधान रहने की जरूरत होती है। इस समय बीमारियों से बचने के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना चाहिए। इतना ही नहीं बेहतर खान-पान और फलों का सेवन करने से आप हेल्दी और फिट रह सकते हैं। इस मौसम में स्किन को लेकर भी सतर्क रहना चाहिए। आज आपको बताएंगे कि इस सीजन में अच्छी मात्रा में सीजनल और फ्रेश फल खाने से आप खुद को कैसे फिट और तंदुरुस्त रख सकते हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

फिजीशियन डॉ. वरुण चौधरी के अनुसार हेल्दी रहने के लिए खाने और पानी का विशेष ख्याल रखने की जरूरत होती है। इस मौसम में हमेशा साफ पानी पीना चाहिए और खाने में भी स्वच्छता बरतनी चाहिए। उनके मुताबिक गंदगी की वजह से आप हेपेटाइटिस A, हेपेटाइटिस E, डायरिया और टाइफाइड की समस्याओं का शिकार हो सकते हैं। इसके अलावा बार-बार भीगने से सर्दी और जुकाम जैसी समस्या भी हो सकती है। इसलिए इस मौसम में हेल्थ पर काफी फोकस करना चाहिए।

फल खाने से मजबूत होता है इम्यून सिस्टम

डॉ. वरुण चौधरी कहते हैं कि बारिश में कई जगह पानी दूषित हो जाता है और इसे पीने से पेट की समस्याएं हो सकती हैं। इससे बचने के लिए आपको हमेशा साफ और फिल्टर्ड पानी पीना चाहिए। इसके अलावा डाइट में फाइबर, विटामिन और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर पदार्थ शामिल करने चाहिए। एक्सपर्ट के मुताबिक इस मौसम में सीजनल फल खाने से शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत किया जा सकता है। इन सभी फलों में पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व होते हैं। खीरा खाने से डिहाइड्रेशन से बचा जा सकता है।

स्किन का ऐसे रखें ख्याल

गर्मी और बारिश के मौसम में स्किन को हेल्दी और चमकदार रखने के लिए आपको कम से कम 3 लीटर पानी हर दिन पीना चाहिए। आप विटामिन श्व से भरपूर फल खाएं और जूस पीएं। अगर आप डायबिटीज या अन्य किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो ऐसा करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लेनी चाहिए। स्किन को ड्राई होने से बचाने के लिए मॉइश्चराइजर यूज करना चाहिए।

हंसना मना है

टीचर- जो बेवकूफ है वो खड़ा हो जाए
पप्पू खड़ा हो गया टीचर- तुम बेवकूफ हो?
पप्पू- नहीं मास्टर जी आप अकेले खड़े थे मुझे अच्छा नहीं लगा..

टीचर- बच्चों कोई ऐसा वाक्य सुनाओ जिसमें हिंदी, पंजाबी, उर्दू और अंग्रेजी का प्रयोग हो?
संता सर ..इश्क दी गली विच नो एंट्री।
टीचर- वाह बड़ा ही तेजस्वी बालक है ये।

टीचर- संता बताओ, अकबर ने कब तक शासन किया था? संता- सर पेज नंबर 14 से लेकर पेज नंबर 22 तक।

टीचर- एक औरत एक घंटे मे 50 रोटी बना लेती है, तो तीन औरतें एक घंटे में कितनी रोटी बनाएंगी। बच्चा- एक भी नहीं, क्योंकि तीनों मिलकर सिर्फ चुगली करेंगी। बच्चे की बात सुनकर टीचर अभी तक बेहोश है।

पति- क्या तुम जानती हों दुनिया में सबसे ज्यादा शरीफ कौन है? पत्नी- दुनिया में सिर्फ वही लोग शरीफ हैं..., जिनके मोबाइल में पासवर्ड नहीं है।

टीटू बचपन में एक बार मैं घर से भाग गया था...लगभग पांच किलोमीटर भागकर हांफने के बाद ये समझ आया कि सिर्फ फिल्मी हीरो ही दौड़ते-दौड़ते बड़े होते हैं।

कहानी — जैसी करनी वैसी भरनी

ऊंट और सियार में परस्पर अच्छा प्रेम था। जंगल में प्रायः साथ ही घूमते थे। एक दिन सियार ने ऊंटसे कहा-मित्र ऊंट! यदि तेरी इच्छा हो तो नदी के उस पार चलें। ऊंट-क्यों भाई! वहां क्या विशेषता है? सियार-वहां अपने को खाने के लिए काफी सामग्री मिल जायेगी, किन्तु नदी में पानी का बहाव होने के कारण मैं मेरे सहयोग के बिना अकेला नहीं जा सकता। चलो हरे-भरे खेतों में फल भी खा लेंगे और साथ-साथ सैर भी हो जायेगी। सियार ऊंट की पीठ पर बैठ गया। दोनों रवाना हुए और उन खेतों में जा पहुंचे। खेत का मालिक सोया हुआ था। दोनों की मौज बन गई। खेत को तहस नहस करते हुए फल-फूल खाने लगे। सियार का पेट छोटा होने से शीघ्र ही भर गया। सियार बोला मित्र! मुझे तो बुलबुली आती है। अंट ने कहा भाई ! अभी कुछ समय के लिए चुप रहना अन्यथा खेत का मालिक जग जायेगा, तो दोनों को मार खानी पड़ेगी। सियार से रहा नहीं गया। वह तो जोर-जोर से बोलने लगा। खेत के स्वामी की आंखे खुली और हाथ में लाठी लेकर दोनों को मारने के लिए दौड़ा। सियार तो चालाक था। वह शीघ्र वहां से भाग गया किन्तु ऊंट को काफी मार बानी पड़ी । नदी के किनारे पर बैठा-बैठा सियार ऊंट की प्रतीक्षा कर रहा था। इतने में ही ऊंट आया। ऊंट बोला-मित्र! आज तो उल्टे लेने के देने पड़ गये। अब तो कभी भी इस खेत में आना नहीं है। यदि तू तनिक समय के लिए मौन रख लेता तो मार क्यों खानी पड़ती? सियार-खैर, जो हुआ सो हुआ। अब यहां अधिक समय लगाना अच्छा नहीं है। शीघ्र चलें। कही वह खेत का मालिक पीछे से आ जायेगा, तो फिर बहोत ही मार खानी पड़ेगी। दोनों ही चले। ज्यों ही नदी के मध्य भाग में पहुंचे त्यों ही उट बोला-मित्र सियार! मुझे लो खटपटी आती है। सिबार बडबड़ाता हुआ बोला-भाई! अभी अगर तू पानी में नहायेगा तो, मुझे बेमौत मरना पड़ेगा। नदी में पानी बहुत है मैं तो डूब वाऊंगा। तू मेरा पुराना साथी है। मीत्रता निभाना तेरा परम कर्तव्य है। अतः अभी पानी में मत डूबना । नदी पार होने के बाद नहा लेना। ऊंट बोला-दूसरों को उपदेश देना सरल है। मैंने कहा -पोड़ी देर के लिए चुप रहना, अब मै भी पानी में डुबकी लगाये बिना नहीं रह शकता तो मेरे से रहा नहीं जाता, ऊंट अपने इच्छित स्थान पर पहुंच गया, उस को कोई भी हानि नहीं हुई, किन्तु सियार बहते पानी में डूबकर मर गया। और पानी में बह गया जो करता है वह भरता है, जो हंसता है वह रोता है, स्वयं को गलती का नुकसान स्वयं को ही उठाना पड़ता है। अतः कोई भी काम करना पड़े तो हर दृष्टि से सोच-समझकर ही करना चाहिए।
सीख- जैसी करनी वैसी भरनी।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कोई अच्छी खबर मिल सकती है। दूसरों को प्रभावित करने के लिए जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें। आपके निरंकुश व्यवहार के चलते पारिवारिक सदस्य खफा हो सकते हैं।

वृषभ

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज का दिन आपके लिए तरक्की लेकर आयेगा। किसी बड़े अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। लवमेट के लिए आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है।

मिथुन

आज आपके पास खुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौके का फायदा उठाएं और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

कर्क

कोई नया काम मिल सकता है। आज किसी को पैसा उधार देने से बचें। जरुरी कामों को आज दूसरों के भरोसे न छोड़ें। छोटे स्तर पर शुरू किया गया बिजनेस लाभकारी हो सकता है।

सिंह

रचनात्मक शौज आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आपकी यथार्थवादी योजनाएं आपके धन को कम कर सकती हैं। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं।

कन्या

घर में बड़ों की सलाह से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। आज बदलते मौसम का पूरा लाभ उठायेंगे। आज किसी व्यक्ति से पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे काम को करने में आसानी होगी।

तुला

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे लेकिन खर्च में इजाफा आपके लिए बचत को और ज्यादा मुश्किल बना देगा। संपत्ति को लेकर विवाद खड़े हो सकते हैं। संभव हो तो इसे ठंडे दिमाग से सुलझाने की कोशिश करें।

वृश्चिक

आज आपके घर पर मेहमान आ सकते हैं। आज मन की बात किसी से शेयर करने की इच्छा हो सकती है। पैसों के मामलों में किसी से मदद मिल सकती है। आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास हो सकता है।

धनु

वे निवेश-योजनाएं जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें। सेहत की वजह से घूमने का कार्यक्रम टल सकता है।

मकर

आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आज सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करें। घर वालों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। सेहत में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। फास्ट-फूड खाने से परहेज करें।

कुम्भ

आपकी व्यक्तिगत समस्याएं मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़े। कुछ जरूरी योजनाएं क्रियान्वित होंगी।

मीन

आज कुछ नए मौके भी मिलेंगे, जो आपको आर्थिक लाभ करा सकते हैं। आज पुरानी चिंताओं को भूलकर आगे बढ़ने की सोच सकते हैं। इस राशि के टीचरों के लिये आज का दिन मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला हो सकता है।

ब्रह्मास्त्र में रणबीर के टीचर के रोल में नजर आएंगे अमिताभ

बॉलीवुड | मसाला

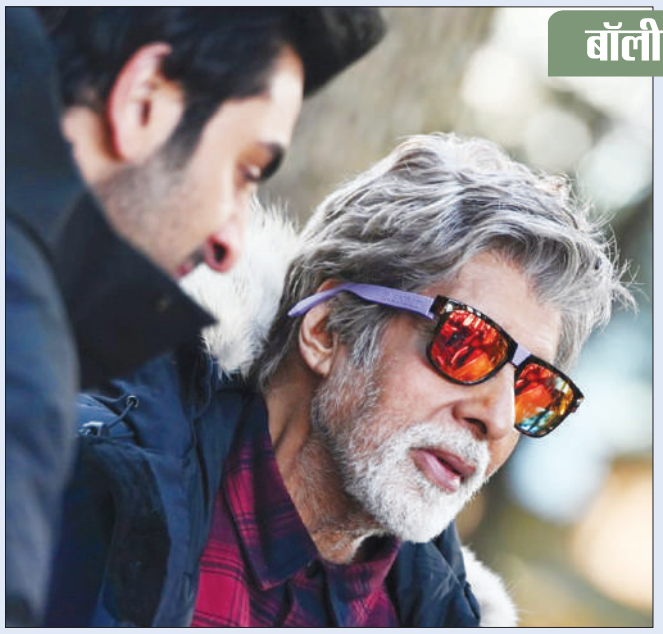

रणबीर कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म ब्रह्मास्त्र 9 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया है। 410 करोड़ में बनी इस फिल्में में वीएफएक्स पर 150 करोड़ खर्च किए गए हैं। रणबीर के अलावा इस फिल्म में आलिया भट्ट, मौनी रॉय, अमिताभ बच्चन और नागार्जुन नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन किरदारों के अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण और काजोल भी हो सकती हैं। हालांकि मेकर्स के तरफ से दोनों एक्ट्रेसेस की फिल्म में एंट्री के लिए कोई भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। ट्रेलर में सभी स्टारकास्ट के लुक में गजब का ट्रांसफॉर्मेशन देखने को मिला है, जिसे लेकर फैंस के बीच में काफी बज बना हुआ है। फिल्म में रणबीर कपूर स्पेशल रोल में नजर आएंगे। फिल्म में रणबीर ने शिवा का कैरेक्टर प्ले किया है। शिवा के पास ऐसी शक्ति है, जो संसार को बुरी शक्तियों से बचा सकती है। आलिया भी इस फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगी। फिल्म में आलिया एक सामान्य लड़की ईशा का किरदार निभाएंगी जोकि फिल्म में शिवा की गर्लफ्रेंड है। इस फिल्म में अमिताभ प्रोफेसर अरविंद चतुर्वेदी का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में उनका कैरेक्टर भगवान ब्रह्मा से इंस्पायर है। ट्रेलर में अमिताभ, रणबीर को बुरी शक्तियों का सर्वनाश करने का संदेश देते हुए दिखाई दिए हैं। उनका ये लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। साउथ के सुपरस्टार नागार्जुन भी फिल्म में एक दमदार किरदार में नजर आएंगे और उनका किरदार भगवान विष्णु से जुड़ा है। फिल्म के पोस्टर में नागार्जुन अपने हाथ में दैवीय शक्तियां लिए हुए दिखाई दिए हैं। फिल्म में नागार्जुन अनीश का कैरेक्टर प्ले करेंगे जो कि नंदी अस्त्र का रक्षक है। फिल्म में मौनी रॉय निगेटिव कैरेक्टर में दिखाई देंगी। ट्रेलर में मौनी को खतरनाक लुक में दिखाया गया है। लाल आंखों वाली मौनी फिल्म में अंधेरों की रानी जुनून का रोल प्ले करेंगी।

ग्रीन पार्क में अब नोरा फतेही नहीं देंगी परफॉर्मेंस

कानपुर के ग्रीन पार्क में अब नोरा फतेही नहीं आएंगी। दरअसल दस सितंबर से कानपुर में रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज हो रही है। इसमें कई बॉलीवुड स्टार आ रहे हैं। लेकिन नोरा का नाम कट गया है। वजह है कि ईओडब्ल्यू(आर्थिक अपराध शाखा) उनकी जांच कर रही है। इस कारण नाम हटा दिया गया। ये जानकारी आयोजकों ने देर शाम सोमवार को जारी की है। रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के कन्वीनर अनस बकई ने बताया कि हम लोगों ने पहले श्रद्धा कपूर, नोरा फतेही, कार्तिक आर्यन, अनन्या पांडेय, शक्ति और नीति मोहन के अलावा कुछ कॉमेडियन को चुना था। लेकिन अब ईओडब्ल्यू की जांच में नोरा का नाम आ गया है। इस वजह से नाम ड्राप कर दिया। हम लोगों ने अभी तक तीन सेलेब्स को चुना है उनमें श्रद्धा, कार्तिक आर्यन और एक कॉमेडियन है। जो 10 तारीख को परफॉर्म कर सकते हैं। उधर, डांसर, मॉडल और एक्ट्रेस नोरा फतेही अब झलक दिखला जा में जज की कुर्सी संभालती नजर आ रही हैं। बाटला हाउस के बाद वे लव रंजन की फिल्म में भी फुल लेंथ रोल में दिखेंगी। हाल ही में उन्होंने कहा कि माधुरी दीक्षित के साथ बतौर जज काम करके उनका सपना पूरा हो गया। नोरा कहती हैं कि मुझे जब झलक दिखला जा जज करने का ऑफर आया, तब विश्वास नहीं हो रहा था। उस समय मुझे लगा कि ये सच नहीं मजाक है। दरअसल, कभी इस डांस शो की कंटेस्टेंट थी और अब बतौर जज शो ऑफर हुआ तो इस बात को लेकर काफी इमोशनल हो गई। मैं इस शो का हिस्सा इसलिए बनी थी, क्योंकि मुझे माधुरी दीक्षित से मिलना था। लेकिन मेरा बैड लक था कि उस सीजन में वो जज नहीं थीं। खैर, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस शो की जज बनूंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

आशिकी 3 में कार्तिक आर्यन की एंट्री से खुश हैं फैंस

फिल्म 'आशिकी' में लव स्टोरी को खूबसूरत तरीके से पर्दे पर दिखाया गया था। इसकी दूसरी किस्त भी दर्शकों को काफी पसंद आई थी। अब 'आशिकी 3' बनाई जाएगी। अनुराग बसु इसे डायरेक्ट करेंगे और कार्तिक आर्यन इसमें लीड रोल निभाएंगे, उन्हें फिल्म में लीड रोल के लिए साइन कर लिया गया है। हालांकि, 'आशिकी 3' से जुड़ी कई और जानकारियां बाहर आना बाकी हैं, लेकिन नेटिजेंस फिल्म के ऐलान के बाद इतने रोमांचित हो गए हैं कि वे सोशल मीडिया पर कमेंट करके अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. कार्तिक इन दिनों अपनी फिल्म 'भूल भुलैया 2' की सफलता का आनंद उठा रहे हैं और अपनी अगली फिल्मों की शूटिंग और तैयारियों में व्यस्त हैं। कार्तिक आर्यन ने कुछ घंटे पहले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ऐलान किया था कि वे 'आशिकी 3' का हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने फैंस को यह खुशखबरी देते हुए लिखा, 'अब तेरे बिन जी लेंगे हम, जहर जिंदगी का पी लेंगे हम। 'आशिकी 3 दिल दहला देगी। बसु दा के साथ मेरी पहली फिल्म.' उन्होंने जैसे ही इसे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया, उनके फैंस और नेटिजेंस ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन पर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। दूसरी ओर ट्विटर पर इसे लेकर कई ट्वीट्स किए जा रहे हैं। जहां कई लोग कार्तिक आर्यन की कास्ट में शामिल होने की तारीफ कर रहे हैं। वहीं कुछ उन्हें कोस भी रहे हैं। फिल्म में लीड एक्ट्रेस कौन होगी, इसका ऐलान अभी तक नहीं हुआ है। हालांकि लोग चाहते हैं कि श्रद्धा कपूर को 'आशिकी 3' में कास्ट किया जाए। ट्विटर यूजर्स में से एक ने लिखा, 'बात यह है कि मैं उन्हें एक फिल्म में साथ देखने के लिए काफी वक्त से इंतजार कर रहा हूं। भगवान इस बार ऐसा मुमकिन बना दो। हम आशिकी 3 में श्रद्धा को देखना चाहते हैं। दूसरे यूजर ने लिखा उनकी केमिस्ट्री स्क्रीन पर काफी अच्छी दिखेगी।

ये है दुनिया की सबसे अद्भुत गुफा जिसमें सोने के लिए आते हैं लोग

दुनिया के हर देश में आपको कोई न कोई गुफा जरूर मिल जाएगी। जिनमें से किसी गुफा को रहस्यमयी तो किसी को भूतिया माना जाता है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी गुफा के बारे में बताने जा रहे हैं। जो इन सबसे अलग है। क्योंकि इस गुफा में लोग सिर्फ सोने के लिए आते हैं। अमूमन तबियत खराब होने पर लोग डॉक्टर के पास जाते होंगे, लेकिन इस गुफा में लोग बीमार होने पर सोने के लिए पहुंचते हैं। ऑस्ट्रिया में स्थित इस गुफा में लोग सोने के लिए इसलिए जाते हैं क्योंकि यहां सोने से उनकी बीमारियों का इलाज हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस गुफा में सोने से लोगों की कई तरह की बीमारियां ठीक हो जाती हैं। बता दें कि ये गुफा ऑस्ट्रिया के गास्तिन में स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि यहां सबसे पहले लोग सोने की खान की खोज में आए थे, लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि इस गुफा में पाई जाने वाली गैस से बड़े से बड़ा रोग भी ठीक हो सकता है। दरअसल, इस गुफा में रेडॉन गैस पाई जाती है। ऐसा माना जाता है कि रेडॉन गैस के संपर्क से कई गंभीर बीमारियां खत्म हो जाती हैं। बता दें कि रेडॉन गैस एक रेडियोएक्टिव गैस होती है, जो गुफा के गर्म वातावरण में कई बीमारियों पर गहरा असर डालती है। इस गुफा में तमाम लोग हर साल अपना इलाज करवाने के लिए आते हैं। अपना इलाज करा चुके लोगों का कहना है कि यहां निकलने वाली गैस अर्थराइटिस यानि गठिया और पसोरिएसिस यानि त्वचा संबंधी रोग जैसी बीमारियों के इलाज में कारगर है। इसे यहां पर प्राकृतिक इलाज के रूप में देखा जा रहा है। ऑस्ट्रिया के ही लोग नहीं बल्कि यूरोप और अन्य देशों के लोग भी इस गुफा में अपना इलाज कराने के लिए पहुंचते हैं। बता दें कि इस गुफा तक लोगों को पहुंचाने के लिए ट्रेन चलाई जाती है। साथ ही इस गुफा में डॉक्टर्स की हर वक्त मौजूदगी रहती है जो मरीजों को इलाज दिलाने में मदद करते हैं।

अजब-गजब | आज भी लोग रीति-रिवाजों को मानते हैं, करते हैं परंपरा का निर्वहन

पानी नहीं बल्कि धुएं से नहाती हैं यहां की महिलाएं

दुनियाभर में आज भी ऐसी तमाम ऐसे लोग हैं जो अपने सदियों पुराने रीति-रिवाजों के आधार पर ही जिंदगी जी रही हैं। ऐसे लोगों को जनजाति या आदिवासियों के नाम से जाना जाता है। हमारे देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के अन्य देशों में भी की जनजातियां पाई जाती है। आज हम आपको अफ्रीकी देश नामीबिया की एक जनजाति के बारे में बताने जा रहे हैं। इसके बारे में जानकर यकीनन आपको हैरानी होगी। क्योंकि इस जनजाति के लोग ऐसे नियमों को मानते हैं जिन्हें हमारे समाज में हीन भावना के तौर पर देखा जाता है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं नामीबिया में पाई जाने वाली हिम्बा जनजाति की।

उत्तरी नामीबिया के कुनेने और ओमुसाती इलाकों में ओवाहिम्बा और ओवाजिम्बा नाम की जनजातियां पाई जाती हैं। जिन्हें हिम्बा जनजाति के नाम से भी जाना जाता है। इन जनजाति के लोग ऐसी संस्कृति का अनुसरण करते हैं जो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं की जा सकती। बता दें कि हिम्बा जनजाति की अब सिर्फ 50,000 आबादी ही बची है। इस जनजाति के लोग गाय पालते हैं और महिलाएं बच्चों की देखभाल के साथ-साथ गाय की देखभाल और घर के अन्य कार्यों में ही दिन गुजारती हैं। जबकि पुरुष शिकार पर जाते हैं और कभी कभी वह शिकार करने के चक्कर में कई-कई दिनों तक घर नहीं आते। इन खानाबदोश लोगों की संपत्ति का निर्धारण इनके पास मौजूद पालतू जानवरों से होता है। जिसके पास जितने ज्यादा पालतू जानवर होंगे वह उतना ही अमीर माना जाता है। इस जनजाति के लोग एक से अधिक शादी करते हैं। यहां लड़कियों की शादी यौवन काल में ही उनके पिता द्वारा चुने गए किसी पुरुष के साथ की जाती है।

इस जनजाति की महिलाओं को खूबसूरत दिखने के बहुत शौक होता है। जबकि पुरुष भी यही चाहते हैं उनकी पत्नी खूबसूरत दिखे। अपनी खूबसूरती को बरकरार रखने और बढ़ाने के लिए इस जनजाति की महिलाएं स्नान नहीं करती। बल्कि धुएं से अपने शरीर को सेंकती हैं। इन लोगों का मानना है कि नहाने से शरीर में मौजूद जरूरी तत्व समाप्त हो जाते हैं। जबकि धुएं से शरीर को सेंकने से उनकी खूबसूरती बढ़ जाती है। इन लोगों की त्वचा का रंग लाल मिट्टी के जैसा होता है इसलिए यहां की महिलाएं लाल रंग को ओटजीज पेस्ट का इस्तेमाल करती हैं। जिससे उनकी त्वचा धूप और कीड़े के काटने से भी बच जाती है और लाल भी हो जाती है। इस जनजाति का मानना है कि लाल रंग पृथ्वी और रक्त का प्रतीक है। सबसे हैरानी की बात तो ये है कि इस जनजाति के लिए घर आए मेहमान को खुश करने के लिए अपनी पत्नी को उन्हें सौंप देते हैं। घर आए मेहमान के साथ उनकी पत्नी रात बिताती है जबकि पति घर के बाहर सोता है। इस जनजाति के लोग ऐसा करने को अपनी खुशी जाहिर करते हैं, इसके साथ ही ऐसा करने को वह लोग किसी लाभ के रूप में देखते हैं। साथ ही इससे ईर्ष्या को कम करने में भी मदद मिलती है। साथ ही ऐसा करने से रिश्तों को बढ़ावा मिलता है। हालांकि पत्नी घर आए मेहमान के साथ रात गुजारे या नहीं ये उसके ऊपर निर्भर करता है लेकिन उसे उसी कमरे में सोना पड़ेगा जिसमें मेहमान सोता है।

मुलायम से मिले नीतीश कुमार कहा, मिलकर बढ़ना होगा आगे

भाजपा के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने में जुटे बिहार के सीएम

» सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में 45 मिनट तक हुई चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने दिल्ली दौरे पर निकले बिहार के सीएम नीतीश कुमार एक-एक कर विभन्न दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इसी क्रम में नीतीश कुमार मंगलवार को गुरुग्राम पहुंचे जहां देर शाम उनकी मुलाकात मुलायम सिंह यादव तथा अखिलेश यादव से हुई। मुलाकात के बाद नीतीश कुमार ने कहा कि हम सबको मिलकर आगे बढ़ना है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मेदांता अस्पताल में भर्ती मुलायम सिंह यादव का हालचाल जाना। मुलाकात करीब 45 मिनट तक चली। नीतीश कुमार ने कहा कि हम सबको मिलकर आगे बढ़ना है क्योंकि हम सबका एक ही व्यू है। आगे यूपी का नेतृत्व अखिलेश करेंगे। इस पर अखिलेश ने कहा कि हम आपके साथ हैं। गौरतलब है कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता नीतीश कुमार ने हाल में बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) तथा कांग्रेस की मदद से फिर से सरकार बनाई है।

नीतीश ने नई दिल्ली दौरे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी तथा आम आदमी पार्टी के संयोजक दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल से भेंट की। उनकी कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी से मुलाकात हुई। फिलहाल सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव इन दिनों गुरुग्राम में हैं। उनका गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा है। नीतीश ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला से मुलाकात की और सियासी चर्चा की।

लोकतंत्र के विरुद्ध काम कर रही भाजपा सरकार: अखिलेश

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र के विरुद्ध काम कर रही है और साजिश रचकर विपक्ष को बांटने की कोशिश में लगी है। भाजपा सरकार में निर्दोषों पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। पिछड़ों, दलितों, वंचितों और अल्पसंख्यकों को धोखा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने चुनाव संकल्प पत्र में जो वादे किए थे उन्हें पूरा नहीं किया है। किसानों को मुफ्त बिजली, मुफ्त सिंचाई की सुविधा देने की बात हवा-हवाई साबित हुई हैं। किसानों की आय 2022 तक दोगुनी करने का वादा भी पूरा नहीं किया गया। राजधानी में कई निवेश सम्मेलन तो हुए किंतु कोई पूंजीनिवेश नहीं हुआ। एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का सपना दिखाने वाले मुख्यमंत्री साढ़े पांच साल में भी इसकी कार्ययोजना नहीं बना पाए।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव

कांग्रेस जल्द जारी करेगी प्रत्याशियों की सूची

» 15 को होगी स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के चयन का दूसरा चरण पूरा करने के लिए कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक 15 सितंबर को दिल्ली में होगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री दीपादास मुंशी की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय स्क्रीनिंग कमेटी आवेदकों के पैनल पर विचार करेगी। इसके बाद इसी माह केंद्रीय चुनाव कमेटी की बैठक भी प्रस्तावित है। सितंबर के अंत तक प्रदेश में कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने की संभावना है।

पार्टी को 68 विधान सभा क्षेत्रों के लिए मिले 1,347 आवेदनों पर विस्तृत चर्चा करने के बाद विधान सभा क्षेत्र वार पैनल तैयार कर दिए गए हैं। करीब 35 सीटों के लिए सिंगल नाम तय हुए हैं। अब पूर्व केंद्रीय मंत्री दीपादास मुंशी की अध्यक्षता वाली स्क्रीनिंग कमेटी में इन पैनल पर विचार किया जाएगा। स्क्रीनिंग कमेटी में उमंग सिंघर और धीरज गुर्जर को सदस्य नियुक्त किया गया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, मुकेश अग्निहोत्री, सुखविंद्र सुक्खू, संजय दत्त, तेजेंद्र पाल सिंह और गुरकीरत सिंह कोटली कमेटी के सदस्य हैं।

झारखंड : सीएम हेमंत पर संशय बरकरार, राज्यपाल का इंतजार

» विश्वास मत के बाद राजभवन पर टिकी नजरें

» आयोग की सिफारिश पर राज्यपाल को लेना है निर्णय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में लगभग 15 दिनों से चल रही राजनीतिक गतिविधियों के बीच हेमंत सरकार द्वारा विश्वास मत प्राप्त करने के बाद एक बार फिर सभी की नजरें राजभवन की ओर टिकी हैं। आफिस ऑफ प्राफिट मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विधान सभा की सदस्यता को लेकर निर्वाचन आयोग की अनुशंसा पर राज्यपाल रमेश बैस को निर्णय लेना है। फिलहाल इस संबंध में राज्यपाल द्वारा कोई भी निर्णय नहीं लिया गया है। राजभवन की चुप्पी बरकरार है।

अभी तक यह स्वीकार किया गया है कि चुनाव आयोग का पत्र राजभवन को मिला है। अब राज्य की सारी राजनीतिक गतिविधियां राज्यपाल के निर्णय पर ही टिकी हैं। राज्यपाल अभी भी दिल्ली में हैं। उनके रांची लौटने के बाद ही इस संबंध में कोई निर्णय हो पाएगा। रमेश बैस दो सितंबर को दिल्ली गए हैं, तब से वे वहीं हैं। राजभवन का कहना है कि वे एम्स में अपने रूटीन चेकअप के लिए गए हैं। हालांकि कयास है कि इस दौरान उनकी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा भाजपा के अन्य शीर्ष नेताओं से मुलाकात हो सकती है। वहीं, झामुमो ने राज्यपाल के दिल्ली जाने पर ही सवाल उठाते हुए उनसे भाजपा का टूल नहीं बनने का अनुरोध किया था। मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि अब राजभवन को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए।

मोकामा सीट पर महागठबंधन में रार

» उपचुनाव को लेकर राजद-जेडीयू आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नई सरकार बनने के बाद सभी की निगाहें अब उपचुनाव पर टिकी हैं। मोकामा सीट को लेकर महागठबंधन की दोनों बड़ी पार्टियां आमने-सामने दिख रही हैं। जदयू ने साफ कहा है कि मोकामा उसकी परंपरागत सीट है, इसको वह नहीं छोड़ेंगे। वहीं, राजद ने कहा कि 2020 में राजद ने इस सीट पर जीत दर्ज की है, इसलिए यह उसकी सीट है। बाढ़ में जदयू के जिला संगठन अध्यक्ष परशुराम पारस ने कहा कि मोकामा जदयू की परंपरागत सीट है। इसको हम किसी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे। वहीं मोकामा में भाजपा ने अपना उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर दी है। इससे महागठबंधन के नेताओं पर दबाब बढ़ गया है।

सचिन पायलट ने फिर दिया सियासी संदेश समर्थकों ने मुख्यमंत्री बनाने की रखी मांग

» एक दिन पहले मनाया जन्मदिन, गहलोत खेमे के सात विधायक भी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के समर्थकों ने मंगलवार को उनके जन्मदिन से एक दिन पहले जयपुर में शक्ति प्रदर्शन करके सियासी मैसेज देने की कोशिश की है। जयपुर में सिविल लाइन में सचिन पायलट के आवास के बाहर हुए कार्यक्रम में कुल 21 मंत्री-विधायक पहुंचे जिसमें से सात विधायक गहलोत कैंप के थे।

सचिन पायलट ने अपने जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले सिविल लाइन में समर्थकों का जमावड़ा करके यह मैसेज देने की कोशिश की है कि प्रदेश के युवाओं में उनकी कितनी पकड़ है। वैसे सचिन पायलट का जन्मदिन 7 सितंबर को आता है लेकिन भारत जोड़ो यात्रा के मद्देनज़र पायलट राहुल गांधी के साथ कन्याकुमारी में रहेंगे। ऐसे में उन्होंने मंगलवार को अपने समर्थकों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। राजस्थान में प्रदेशभर से आए पायलट समर्थकों ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की पुरजोर वकालत की। विधायक इंद्रराज गुर्जर ने कहा कि पायलट की मेहनत की वजह से ही कांग्रेस को सत्ता मिली थी। अब आप पायलट को घर पर नहीं बिठा सकते। कभी तो सब्र का बांध टूटता है।

तो अरसे बाद देश में दिखने लगा है विपक्ष!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2024 के एजेंडे पर दिल्ली में नीतीश कुमार ने राहुल गांधी से मुलाकात की है। उन्होंने दावा किया कि पीएम बनना मकसद नहीं है, उनका मकसद 2024 में बीजेपी को हराना है। अपनी मुहिम को सीएम नीतीश दिल्ली के बाद भी जारी रखेंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि दिल्ली में नीतीश की दस्तक का बाकी राज्यों पर क्या असर होगा? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, सबा नकवी, राकेश पाठक, राजेश बादल और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

राकेश पाठक ने कहा कि नीतीश की सक्रियता ने इतना कुछ तो किया ही है कि देश में जो बिखरा विपक्ष है, उसे एक धांगे में बांधने वाला एक बुनकर मिल गया है। उन्होंने ऑपरेशन लोटस को बिहार में थाम लिया।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सतीश के सिंह ने कहा कि इनको विपक्षी बोलिए, विपक्ष मत बोलिए। बहुत समय बाद लग रहा है कि विपक्ष दिख रहा है। ये एक शुरूआत भर है। दूसरी बात, इसमें चुनावी बाधाएं, अड़चनों का अंबार है। नीतीश पहले सीताराम येचुरी से मिले, राजा से मिले। जाते समय उनकी गाड़ी दौड़ गई न नीतीश बोले, न केजरीवाल। केजरीवाल की राजनीति वैकलिपक है। कांग्रेस नीचे नहीं जाएगी तो केजरीवाल कैसे ऊपर आएंगे। अखिलेश ने कहा एक नेता होगा, कौन होगा पता नहीं। विपक्षी खेमे में भी मोदी की दखल होगी। सबा नकवी ने कहा कि कुछ सालों में नेशनल चुनाव में भाजपा जीतती आई है। वर्तमान में बिहार में जो हुआ, वह बड़ी चीज हुई। झारखंड की सरकार बच गई। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुरू हो रही है।पहले ऐसा नहीं था, मगर इस समय ऐसा हो रहा है। ईडी, सीबीआई दौड़ रही है, तो विपक्षी खेमे में भी खलबली तो हैं। राजेश बादल ने कहा कि नीतीश की जो सियासी सरगर्मिया हैं तो थोड़ा जल्दबाजी होगा कयास लगाने के लिए। प्रयास शुरू होते हैं तो बाद में दम तोड़ देते हैं। ममता बनर्जी ने नीतीश को बधाई नहीं दी। दोनों में अनबन रहती हैं। ममता नीतीश के साथ आएंगी, ऐसा लगता नहीं है।

जोन 3 : पारा क्षेत्र में अवैध निर्माणों को लेकर 4PM की पड़ताल

एलडीए में चल रहा नोटिस का खेल

हर महीने लाखों की अवैध वसूली

» एलडीए की भ्रष्ट व्यवस्था में कमाऊपूत बने जूनियर इंजीनियर व सुपरवाइजर

» जेई जितेंद्र कुमार के भ्रष्टाचार से क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माण

» तहसीलकर्मी से लेकर पूर्व एसडीएम तक ने खड़ी कर दी हैं अवैध इमारतें

चेतन गुप्ता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में नोटिस का खेल चल रहा है। इसकी आड़ में चौतरफा अवैध निर्माण हो रहे हैं और सुपरवाइजर से लेकर इंजीनियर तक अपनी जेबें भर रहे है। एलडीए का प्रवर्तन विभाग माल कमाऊ विभाग बन चुका है। इसी वजह से प्रवर्तन विभाग में जो एक बार आ गया फिर वो हटना नहीं चाहता। एलडीए के जोन 3 में पुरानी पारा चौकी वाले गेट बीबी खेड़ा से कृष्णा नगर तक अवैध निर्माणों की बाढ़ सी आ गई है। सुपरवाइजर, जूनियर इंजीनियर की मिलीभगत से ताबड़तोड़ अवैध निर्माण हो रहे हैं। पार्किंग तो पूरे क्षेत्र के बड़े-बड़े निर्माणों से गायब है। बीबी खेड़ा, हंस खेड़ा, चुन्नू खेड़ा, प्रसादी खेड़ा, केसरी खेड़ा में दर्जनों अवैध निर्माण हो रहे हैं। आधा सैकड़ों से ज्यादा अवैध मार्केट बन चुकी है या फिर बनकर तैयार हैं जिसे किराए पर लेकर लोगों ने व्यापार करना भी शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नाराजगी के बाद एलडीए के उपाध्यक्ष डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी जहां अवैध निर्माणों पर शिकंजा कसने के लिए अभियान चला रहे हैं वहीं उनके ही अधीनस्थ इस मंशा पर पानी फेर रहे हैं। तहसीलकर्मी से लेकर पूर्व एसडीएम, सबके सब अवैध निर्माण करने में जुटे हैं। कृष्णा नगर ट्रैफिक ट्रेनिंग सेंटर के ठीक सामने इंद्रलोक कॉलोनी में भारी भरकम अवैध निर्माण किया गया है, जिसकी लगातार शिकायत पहुंचने पर उसे पिछले दिनों सील कर दिया गया लेकिन उसके इर्द-गिर्द हो रहे दर्जनों अवैध निर्माणों को पूरी से शह दे दी गई। कृष्णा नगर से रेलवे फाटक पार करते ही केसरी खेड़ा कॉर्नर पर सफेद रंग की भारी-भरकम इमारत खड़ी कर दी गई है। जो रजिस्ट्रार ऑफिस में कार्यरत किसी यादव जी का शॉपिंग कॉम्प्लेक्स व बैंक्वेट हॉल है। बगल में अर्चना हॉस्पिटल है जिससे लगी अवैध मार्केट निर्माणाधीन है। उसके ठीक सामने पूर्व एसडीएम अतुल प्रकाश श्रीवास्तव की चार मंजिला अवैध इमारत बनकर लगभग तैयार है। बेसमेंट से लेकर सभी फ्लोर किराए पर उपलब्ध है। इस अवैध निर्माण पर नोटिस जारी कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली गई जबकि सुपरवाइजर से लेकर जेई तक गलत ढंग से अपनी अपनी जेबें भरते रहें। इसके आगे चलेंगे तो अमित फ्यूल स्टेशन के ठीक सामने प्रवीन यादव की अवैध मार्केट बनकर तैयार है जिसके एक हिस्से में लोगों ने शोरूम खोल लिए हैं और दूसरा हिस्सा अभी भी किराएदारों की तलाश में हैं। इसके आगे चलेंगे तो सिंह ट्रेडर्स के ठीक बगल में प्रॉपर्टी डीलर रामबाबू यादव की मार्केट बनकर तैयार खड़ी है। उससे सटी अवैध मार्केट का निर्माण चल रहा है। इसी तरह चुन्नू खेड़ा मोड़ पर श्री प्रभु कृपा मार्केट बनकर तैयार हो गई है जो किराएदार की बाट जोह रही है। एलडीए की आंखों में धूल झोंकने के लिए मेडिकल स्टोर का पंपलेट शटर पर लगा दिया गया है जिससे कि लगे कि यहां पर व्यापार चल रहा है जबकि अभी तक शटर तक नहीं उठा है। इसके ठीक बगल में तेजी से अवैध मार्केट का निर्माण हो रहा । उस पर भी गणेश मार्बल एंड टाइल्स का बैनर लगाकर गुमराह करने का काम किया जा रहा है। एलडीए की लखनऊ मोहान रोड योजना के लिए मुड़ते ही कुछ कदमों की दूरी पर गेस्ट हाउस उत्तम मैरिज लॉन है। लगभग इसका निर्माण पूरा हो चुका है और फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। इसके मालिक श्रवण यादव और रंजीत यादव को आज तक एलडीए की नोटिस तक नहीं मिली जबकि सुपरवाइजर-जेई साईट पर आकर सेटिंग-गेटिंग कर चले गए। हर महीने एकमुस्त पैसा उनकी जेबों में पहुंच रहा है। जोन-3 में ही आने वाले पारा क्षेत्र के गांव प्रसादी खेड़ा में नोमिन शाह अवैध मार्केट का निर्माण कर रहे हैं। न तो नक्शा पास है और न ही एलडीए द्वारा इनको कोई नोटिस जारी किया गया है। जेई और सुपरवाइजर की मिलीभगत से अवैध निर्माण लगातार जारी है। बिनौर तहसील में कार्यरत राजेश यादव के पारा क्षेत्र में तीन अवैध निर्माण कार्य चल रहे हैं। हंसखेड़ा रोड, समीप एसबीएन इंटर कालेज नरपतखेड़ा में बन रही उनकी इमारत एलडीए के मुंह पर खुला तमाचा है। नीचे मार्केट ऊपर फ्लैट बन रहे है। इसी के आगे चलने पर पैरामाउंट हाइट बिल्डिंग के ठीक सामने उनकी अवैध इमारत निर्माणाधीन है। बताया जाता है कि यह सील है, लेकन इसके ऊपर सीलिंग का न तो पट्टा और न ही देखने से मालूम होती कि ये बिल्डिंग सील है। एलडीए के जेई और सुपरवाइजर का यह भी एक फंडा है। जिससे चोरी छिपे सील बिल्डिंग में काम होता रहे। यहां से लेकर पुरानी पारा चौकी गेट बीबीखेड़ा तक सैकड़ों की संख्या में अवैध निर्माण हो चुके हैं, अभी भी कई निर्माणाधीन है। सुपरवाइजर रामविलास और जेई जितेंद्र कुमार के भ्रष्टाचार के चलते अवैध निर्माणों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

पूर्व एसडीएम अतुल प्रकाश श्रीवास्तव की अवैध इमारत।

तहसील कर्मचारी राजेश यादव की निर्माणाधीन अवैध इमारत

तमाम शिकायतों के बावजूद एलडीए जेई और सुपरवाइजर की मिलीभगत से विवादित जमीन पर बनकर तैयार हो गई अवैध मार्केट। कैलाश कुमार और अशोक कुमार के बीच चल रहा है जमीन के स्वामित्व को लेकर विवाद। एसडीएम कोर्ट से स्टे के बाद भी भाकियू के बैनर तले अशोक कुमार पक्ष ने धरना दिया। विवाद को देखते हुए पुलिस बल तैनात।

चुन्नूखेड़ा मोड़ पर बनकर तैयार हो रहीं अवैध मार्केट, एलडीए को गुमराह करने के लिए लगाया गया दुकान का फर्जी बैनर-पम्पलेट

प्रसादीखेड़ा में नोमिन शाह की निर्माणाधीन अवैध मार्केट व श्रवण यादव -रंजीत यादव का निर्माणाधीन अवैध मैरिज लॉन

जेई जितेंद्र से सवाल - जवाब से बचते हैं अफसर

जेई जितेंद्र कुमार जो कि यूनियन लीडर भी है इसलिए इनसे एलडीए के अफसर तक सीधे तौर पर सवाल जवाब करने से बचते है। जेई जितेन्द्र कुमार से जब जानकारी की गई तो उन्होंने दो टूक कहा जहां-जहां अवैध निर्माण की शिकायतें मिलती है वहां नोटिस काट दी जाती है। दर्जनों अवैध निर्माणों के जारी रहने और उनके सील न किए जाने के सवाल का जवाब देना उन्होंने बेहतर नहीं समझा। एलडीए के सूत्रों की माने तो जेई जितेंद्र कुमार के मनमाने रवैए को लेकर अफसर भी खफा रहते हैं लेकिन यूनियन लीडर होने की वजह से जेई का दबाव रहता है और कोई भी उन पर हाथ डालना नहीं चाहता।

"कृष्णा नगर से लेकर पुरानी पारा चौकी गेट तक 7 से 8 किलोमीटर का क्षेत्र है, महज एक ही सुपरवाइजर है, सब निर्माणों की निगरानी संभव नहीं है। अवैध निर्माण की शिकायत मिलने पर उनको नोटिस जारी कर दी जाती है।
– जितेंद्र कुमार, जेई, प्रवर्तन विभाग, एलडीए

"जोन 3 में 4 जूनियर इंजीनियरों की जगह महज 2 और 8 सुपरवाइजर की जगह 4 है, जिससे काम प्रभावित हो रहा है। क्षेत्र की ठीक ढंग से निगरानी नहीं हो पा रही है लेकिन जो शिकायतें मिल रही है, उन पर एक्शन लिया जाएगा और अवैध निर्माण कैसे हो रहे हैं, जेई जितेन्द्र कुमार से सवाल जवाब किया जाएगा।
– रामशंकर, ओएसडी, जोन 3, लखनऊ विकास प्राधिकरण

क्या कहना है पूर्व एसडीएम साहब का

अतुल प्रकाश श्रीवास्तव करीब 2 साल पहले एसडीएम के पद से सीतापुर से रिटायर हो चुके हैं। देवरिया के रहने वाले है। इस समय लखनऊ में कृष्णा नगर में रहते हैं। इन्होंने केसरी खेड़ा फाटक के पास 2100 स्कायर फुट के प्लॉट पर 4 मंजिला अवैध इमारत खड़ी कर दी है। न तो इसका नक्शा पास है और न ही इस अवैध बिल्डिंग पर कोई कार्रवाई की गई है। दिखावे के लिए महज एक नोटिस जारी कर दी गई है और इसकी आड़ में पैसा लेकर पूरा खेल कर दिया गया। एसडीएम साहब का कहना है कि नक्शे के लिए बात करने एलडीए गए थे लेकिन वहां से बताया गया कि इस क्षेत्र में नक्शा पास नहीं हो सकता। इसके बाद सुपरवाइजर-जेई से सेटिंग के जरिए बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई। बेसमेंट में बनी दुकान उन्होंने 40 हजार रूपए महीने के किराए पर ग्रॉसरी वाले को उठा दी है। ग्राउंड एलोर 50 हजार किराए पर रेस्टोरेंट के लिए दे रखा है। फर्स्ट व थर्ड एलोर खाली है जिसे वे किराए पर उठाना चाहते हैं उसके लिए 35 हजार रूपए प्रति माह मांग रहे हैं। ऊपर बैक्वेट हाल बनाया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।